पाठ 4. ऐसे सूरज आता है

कविता का उद्देश्य

प्रस्तुत कविता का उद्देश्य बच्चों को सूरज के विभिन्न रूपों से अवगत कराना तथा प्रकृति की मनोहारी छटा से परिचित कराना है। इसमें आलस न करने एवं अनुशासन की सीख दी गई है।

कविता का सारांश

सूरज पूर्व दिशा से धीरे-धीरे आता है और लाल रंग बिखेर देता है। इसके आते ही चिड़ियाँ गाने लगती हैं। कलियाँ खिलने लगती हैं। सूरज के आने पर चारों ओर नव जीवन का संचार हो जाता है। सभी आलस छोड़कर अपने-अपने कामों में लग जाते हैं। सूरज के ढलने पर गरमी कम होने लगती है।

अध्यापन संकेत

पाठ वाचन से पूर्व **पहले पहल** में दी गई गतिविधि बच्चों से करवाएँ। कविता का सुर और लय में वाचन करें। बच्चों से ध्यान से अनुकरण करने को कहें। कविता वाचन करते समय कठिन शब्दों के अर्थ बच्चों को बताते जाएँ।

बच्चों से पूछिए एवं उन्हें समझाएँ–

- क्या वे सुबह जल्दी उठते हैं?
- क्या वे उगते सूरज को देखते हैं? यदि 'हाँ' तो उन्हें प्रातः काल का दृश्य कैसा लगता है?
- बच्चों को कविता में से तुक मिलाते शब्द छाँटने के लिए प्रेरित करें।
- बच्चों को अनुशासन का महत्त्व बताएँ और आलस करने के क्या नुकसान हैं इससे भी उन्हें अवगत कराएँ।
- कविता का भाव स्पष्ट करते जाएँ। जैसे– 'धरती-गगन दमकता है'– इस पंक्ति का भाव है कि सूरज के आने पर अर्थात् सुबह होने पर चारों ओर रोशनी फैल जाती है।

डिजिटल (Digital) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।